Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) ____________________________
   (Name) ____________________________
2. (Signature) ____________________________
   (Name) ____________________________

Roll No. | | | | | | | |

(In figures as per admission card)

Roll No.______________________________

(In words)

J 1 4 1 0

Test Booklet No.

Time : **2 $^1/_2$** hours]

PAPER-III
PUBLIC ADMINISTRATION

[Maximum Marks : **200**

Number of Pages in this Booklet : **24**

Number of Questions in this Booklet : **26**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answer to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

   No Additional Sheets are to be used.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुए रिक्त स्थान पर ही लिखिये ।

   इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है ।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी । पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी कागज की सील को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें ।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं । दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें । इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे । उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा ।**
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें ।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है ।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे ।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें ।
8. **केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पैन का ही इस्तेमाल करें ।**
9. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है ।**

PUBLIC ADMINISTRATION

लोक प्रशासन

PAPER – III

प्रश्नपत्र – III

Note : This paper is of **two hundred (200)** marks containing **four (4)** sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

नोट : यह प्रश्नपत्र **दो सौ (200)** अंकों का है एवं इसमें **चार (4)** खंड हैं । अभ्यर्थियों को इनमें समाहित प्रश्नों के उत्तर अलग दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है ।

SECTION – I

खण्ड – I

Note : This section consists of **two** essay type questions of **twenty (20)** marks each, to be answered in about **five hundred (500)** words each. **(2 × 20 = 40 marks)**

नोट : इस खंड में **बीस-बीस** अंकों के **दो** निबन्धात्मक प्रश्न हैं । प्रत्येक का उत्तर लगभग **पाँच सौ (500)** शब्दों में अपेक्षित है । **(2 × 20 = 40 अंक)**

1. National Urban Health Renewal Mission is playing a pivotal role in healthcare sector. Comment.
राष्ट्रीय शहरी स्वास्थ्य नवीनीकरण मिशन स्वास्थ्य के क्षेत्र में एक निर्णायक भूमिका निभा रहा है । टिप्पणी कीजिए ।

OR / अथवा

Governance is the act of collectively solving our problems. The Government is the instrument we use for it. The instrument is out-dated and it is time to re-make it.
अपनी समस्याओं का सामूहिक समाधान करना शासन है । सरकार वह यंत्र है जिसका उपयोग हम इस निमित्त करते हैं । यह यंत्र कालातीत है और अब इसके पुनर्निर्माण का समय है ।

2. Public Enterprises with 'Nav-Ratna' status have been extended a lot of functional and financial autonomy. Comment.
नव रत्न स्तर से युक्त लोक उद्यमों को काफी कार्यात्मक और वित्तीय स्वायत्तता विस्तारित की गई है । टिप्पणी कीजिए ।

OR / अथवा

Comptroller and Auditor General of India has unfettered powers to examine the entire Government spending. Critically examine the statement.
भारत के नियन्त्रक व महालेखा परीक्षक को सरकार के समूचे व्यय का परीक्षण करने का असीमित अधिकार है । इस वाक्य का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए ।

SECTION – II
खण्ड – II

Note : This section contains **three (3)** questions from each of the electives/specializations. The candidate has to choose only one elective/specializations and answer all the three questions from it. Each question carries **fifteen (15)** marks and is to be answered in about **three hundred (300)** words. **(3 × 15 = 45 marks)**

नोट : इस खंड में प्रत्येक ऐच्छिक इकाई / विशेषज्ञता से **तीन (3)** प्रश्न है । अभ्यर्थी को केवल एक ऐच्छिक इकाई / विशेषज्ञता को चुनकर उसी के तीनों प्रश्नों का उत्तर देना है । प्रत्येक प्रश्न **पन्द्रह (15)** अंकों का है व उसका उत्तर लगभग **तीन सौ (300)** शब्दों में अपेक्षित है । **(3 × 15 = 45 अंक)**

Elective – I
ऐच्छिक – I

3. Define Public Policy. Explain the role of the State in Policy Formulation.
लोक नीति को परिभाषित कीजिए । नीति निर्माण में राज्य की भूमिका को स्पष्ट कीजिए ।

4. “Policy Science is, as yet, in an embryonic stage.” Discuss.
“नीति विज्ञान अभी तक एक प्रारम्भिक अवस्था में हैं ।” विवेचना कीजिए ।

5. Analyse the models of Policy Analysis.
नीति विश्लेषण के प्रतिमानों का विश्लेषण कीजिए ।

OR / अथवा

Elective – II
ऐच्छिक – II

3. “There cannot be any meaningful social change in the absence of social justice”. Discuss.
“सामाजिक न्याय के अभाव में कोई अर्थपूर्ण सामाजिक परिवर्तन नहीं हो सकता है ।” विवेचना कीजिए ।

4. Critically analyse the role of Central Social Welfare Board (CSWB) with special reference to the welfare of the differently abled.
भिन्न प्रकार से शक्त (Abled) लोगों के कल्याण के विशेष सन्दर्भ में केन्द्रीय समाज कल्याण मण्डल की भूमिका का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए ।

5. Examine the role of NGO’s for the upliftment of the underpriviledged sections of the society.
समाज के कम विकसित वर्गों के उत्थान में गैर सरकारी संगठनों के योगदान का परीक्षण कीजिए ।

OR / अथवा

Elective – III
ऐच्छिक – III

3. Analyse the strengths and weaknesses of planned economy of India.
भारत में नियोजित अर्थ व्यवस्था के सशक्त व कमजोर पक्षों का विवेचन कीजिए ।

4. Examine the efficacy of Parliamentary Control over Public Enterprises in India.
भारत में लोक उपक्रमों पर संसदीय नियन्त्रण की प्रभावोत्पादकता का परीक्षण कीजिए ।

5. Bringout the flaws of Disinvestment Policy in India.
भारत में विनिवेश नीति की कमियों को बताइए ।

OR / अथवा

Elective – IV
ऐच्छिक – IV

3. “Local Government is an index of democracy. ” Explain.
“स्थानीय सरकार लोकतंत्र का एक अभिसूचक है ।” स्पष्ट कीजिए ।

4. Attempt to revamp the local Government through 73rd and 74th Constitution Amendment Acts was half-hearted. Comment.
73वें तथा 74वें संविधान संशोधन अधिनियमों के द्वारा स्थानीय सरकार को पुनर्जीवित करने का प्रयास अधूरे मन से किया गया । टिप्पणी कीजिए ।

5. Examine the challenges faced by the women elected representatives in Panchayati Raj.
पंचायती राज में निर्वाचित महिला प्रतिनिधियों द्वारा अनुभव की जा रही चुनौतियों का परीक्षण कीजिए ।

OR / अथवा

Elective – V

ऐच्छिक – V

3. Analyse the grounds for the failure of Co-operative Movement.
   सहकारिता आन्दोलन की असफलता के आधारों की विवेचना कीजिए ।

4. Examine the problems of Urbanization in India.
   भारत में नगरीकरण / शहरीकरण की कठिनाइयों का परीक्षण कीजिए ।

5. "Slums have hindered the growth of National Capital Region." Suggest concrete remedial measures.
   मलिन बस्तियों ने राजधानी क्षेत्र के विकास को अवरुद्ध किया है । ठोस सुधारात्मक उपाय सुझाइए ।

SECTION – III
खण्ड – III

Note : This section contains **nine (9)** questions of **ten (10)** marks, each to be answered in about **fifty (50)** words. **(9 × 10 = 90 marks)**

नोट : इस खंड में **दस-दस (10-10)** अंकों के **नौ (9)** प्रश्न है । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग पचास (50) शब्दों में अपेक्षित है । **(9 × 10 = 90 अंक)**

6. Examine the background for the emergence of New Public Administration.
नवीन लोक प्रशासन के उदय की पृष्ठभूमि का परीक्षण कीजिए ।

7. Distinguish between Formal and Informal Organization.
औपचारिक एवं अनौपचारिक संगठनों के मध्य भेद कीजिए ।

8. Write a short note on M.P. Follet's views on Leadership.
नेतृत्व पर एम.पी. फोलेट के विचारों पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए ।

9. Enumerate the factors responsible for the emergence of Comparative Public Administration.
तुलनात्मक लोक प्रशासन के विकास के लिए उत्तरदायी कारकों की परिगणना कीजिए ।

10. "Development Administration is an action-oriented, goal-oriented administrative system" (Edward Weidner). Explain.
"विकास प्रशासन एक क्रियान्मुखी, उद्देश्योन्मुखी प्रशासनिक व्यवस्था है" (एडवर्ड वीडनर) । समझाइए ।

11. Analyse the British legacies to Indian Administration.
भारतीय प्रशासन की ब्रिटिश विरासतों का विश्लेषण कीजिए ।

12. What is the difference between questionnaire and schedule ?
प्रश्नावली और अनुसूची के मध्य अन्तर क्या है ?

13. Explain the role of District Collector in Disaster Management.
आपदा प्रबन्धन में ज़िला कलेक्टर की भूमिका का स्पष्टीकरण कीजिए ।

14. Explain the term 'Privatisation'.
'निजीकरण' शब्द को समझाइए ।

SECTION – IV
खण्ड – IV

Note : This section contains **five (5)** questions of **five (5)** marks each based on the following passage. Each question should be answered in about **thirty (30)** words.

(5 × 5 = 25 marks)

नोट : इस खण्ड में निम्नलिखित परिच्छेद पर आधारित **पाँच (5)** प्रश्न है । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **तीस (30)** शब्दों में अपेक्षित है । प्रत्येक प्रश्न **पाँच (5)** अंकों का है । **(5 × 5 = 25 अंक)**

Read the passage below, and answer the questions that follow based on your understanding of the passage :

During 60s, behaviouralists began to examine the human problems facing management and were searching for new techniques of human motivation. Frederick Herzberg, through his studies in Pittsburgh, developed a theory of motivation which has broad implications for human resource management. He concluded that workers have two different categories of needs which are independent of each other but affect the human behaviour in many ways. His studies reveal that the events leading to satisfaction are different from those that lead to dissatisfaction. Five strong determinants of job satisfaction identified by Herzberg are : achievement, recognition, work itself, responsibility and advancement. Similarly, company policy and administration, supervision, pay, inter-personnel relations and working conditions were identified as the important factors leading to job dissatisfaction. These factors are distinct and separate and these feelings are not opposite of one another. Instead, they are concerned with two different ranges of man's needs. The satisfiers – when the people felt good about their job – are related to the work itself and the dissatisfiers are related to the environment in which the employees work. Herzberg called the first set of factors *motivators* and the second set as *hygiene or maintenance* factors. Before Herzberg behavioural scientists emphasised on 'job enlargement' or 'job rotation' for worker motivation. But Herzberg suggested that what we really need is to enrich the job i.e., deliberated upgrading of the scope of the work as well as responsibility. Job enrichment calls for vertical job loading, and introducing new and more difficult tasks not previously undertaken, removing controls, granting additional authority, etc.

निम्न परिच्छेद को पढ़िए तथा आगे दिए गए प्रश्नों के उत्तर इस परिच्छेद की अपनी जानकारी के आधार पर दीजिए :

छठे दशक के दौरान ही व्यवहारवादियों ने प्रबंध में मानवीय समस्याओं की जाँच पड़ताल शुरू कर दी थी । ये लोग मानवीय प्रेरणा की नई तकनीक की तलाश कर रहे थे । फ्रेडरिक हर्जबर्ग ने पिट्सबर्ग में अपने अध्ययनों के जरिये प्रेरणा का सिद्धान्त विकसित किया । इस सिद्धान्त का मानव संसाधन के प्रबंध के क्षेत्र में व्यापक महत्त्व है । उन्होंने साबित किया कि मजदूरों की दो तरह की आवश्यकताएँ हैं और ये दोनों एक दूसरे से भिन्न हैं । लेकिन ये मनुष्य के व्यवहार को कई तरह से प्रभावित करती हैं । फ्रेडरिक के अध्ययनों से पता चलता है कि संतोष प्रदायक कार्य असंतोष पैदा करने वाले कार्यो

से भिन्न होते है । हर्जबर्ग ने कार्य से पैदा होने वाले संतोष के पाँच मजबूत कारण पहचाने हैं; ये हैं – उपलब्धि, पहचान, स्वयं कार्य, जिम्मेदारी और प्रगति । इसी तरह कंपनी की नीति और प्रशासन, पर्यवेक्षण, वेतन, अन्तरवैयक्तिक संबंध तथा काम का माहौल आदि असंतोष के महत्त्वपूर्ण कारकों के रूप में पहचाने गये हैं । ये दोनों कारक भिन्न और अलग-अलग हैं । ये दोनों अवधारणाएँ एक दूसरे की विलोम नहीं है बल्कि इसके विपरीत ये मनुष्य की आवश्यकताओं की दो भिन्न धाराओं से जुड़ी हुई हैं । जब लोग अपने किए हुए काम के बारे में अच्छा महसूस करते हैं और काम से ही जुड़े होते हैं तो यह संतोष प्रदायक होता है जबकि असंतोष उपजाने वाले कारकों का संबंध उस वातावरण से होता है जिसमें वे रहते हैं और काम करते हैं । फ्रेडरिक हर्जबर्ग इनमें से पहले वर्ग को प्रेरक वर्ग और दूसरे वर्ग को स्वास्थ्यविज्ञानी अथवा रख रखाव के घटक मानते हैं । हर्जबर्ग से पहले ज्यादातर व्यवहारवादी चिंतक कर्मचारियों में कार्य प्रेरणा बढ़ाने के लिए या तो उनमें कार्य विस्तार का सुझाव देते थे या फिर उनके कार्य बदलाव पर जोर देते थे । लेकिन हर्जबर्ग ने इन दोनों कारकों के बजाय कहा कि जिस चीज की वास्तव में सर्वाधिक जरूरत है वह है कार्य को अधिकाधिक रूप से सम्पन्न बनाना, जानते बूझते हुए उसका विस्तार करते जाना । कार्य को सम्पन्न बनाने के लिए उसमें और ज्यादा जिम्मेदारियों का बोझ लादते जाना तथा नये और मुश्किल काम जो कि पहले न लागू किए गये हों, उन्हें शुरू करने, नियंत्रण हटाने तथा अतिरिक्त अधिकार मुहैया कराने आदि की जरूरत होती है ।

15. What theory of motivation was developed by Herzberg ?

हर्जबर्ग द्वारा अभिप्रेरण के किस सिद्धान्त का विकास किया गया था ?

16. What factors according to Herzberg lead to satisfaction ?

हर्जबर्ग के अनुसार कौन से कारक 'संतुष्टि' की ओर ले जाते हैं ?

17. What factors according to Herzberg lead to dissatisfaction ?

हर्ज़बर्ग के अनुसार कौन से कारक 'असंतुष्टि' की ओर ले जाते हैं ?

18. Differentiate between hygiene and maintenance factors.

हाइजीन और मैन्टिनेन्स कारकों में अन्तर बताइए ।

19. What did behavioural scientists emphasise upon for worker motivation before Herzberg ?

हर्जबर्ग के पूर्ववर्ती व्यवहारवादी वैज्ञानिकों ने कार्मिक अभिप्रेरणा के लिए किस पर बल दिया था ?

FOR OFFICE USE ONLY	
Marks Obtained	
Question Number	Marks Obtained
1	
2	
3	
4	
5	
6	
7	
8	
9	
10	
11	
12	
13	
14	
15	
16	
17	
18	
19	
20	
21	
22	
23	
24	
25	
26	

Total Marks Obtained (in words) ....

(in figures) ....

Signature & Name of the Coordinator ....

(Evaluation) Date ....